

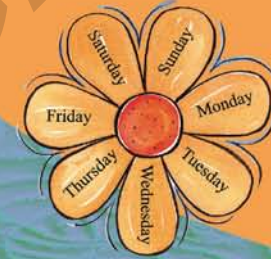


गणित

तीसरी कक्षा

3rd MATHS (Hindi)

FREE



Government of Telangana
Department of Women Development & Child Welfare - Childline Foundation

When abused in or out of school.

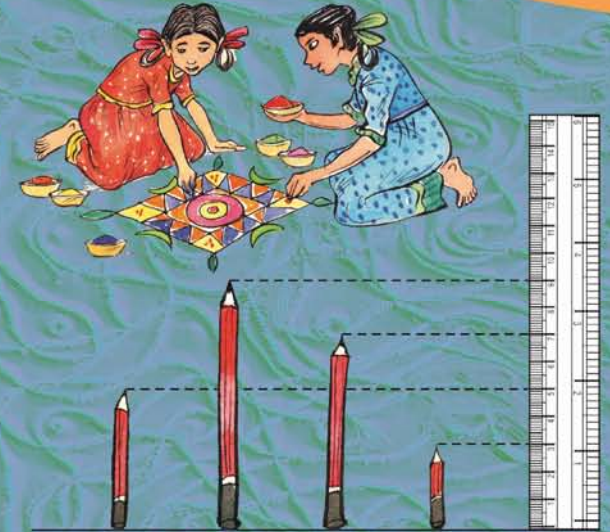
When the children are denied school and compelled to work.

CHILD LINE 1098
NIGHT & DAY
24 HOUR NATIONAL HELPLINE

To save the children from dangers and problems.

When the family members or relatives misbehave.

1098 (Ten...Nine...Eight) dial to free service facility.



तेलंगाणा सरकार, हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा प्रकाशित
हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

सीखने की संप्राप्तियाँ (LEARNING OUTCOMES)

बच्चे-

- 999 तक संख्याओं के अंकों को पढ़ते तथा लिखते हैं।
- तीन अंकों वाली संख्या के जोड़ तथा घटान पर आधारित दैनिक जीवन की साधारण समस्याओं को हल करते हैं।
- 2,3,4,5, 10 तक के गुणा के तथ्यों का निर्माण और उपयोग दैनिक जीवन में करते हैं।
- भाग को समान समूह तथा बंटन के रूप में परिभाषित कर साधारण भाग का दैनिक जीवन में उपयोग करते हैं।
- पुनरावृत्ति व्याकलन द्वारा संख्याओं को भाग देते हैं।
- 3D वस्तुओं को ऊपर से, भुजा की ओर से तथा सामने से देखते हैं।
- 3D वस्तुओं में 2D चित्रों को पहचानेंगे (चित्रों को बिना नामांकित किए जैसे त्रिभुज, चतुर्भुज आदि।)
- किसी भी वस्तु की लंबाई, भार तथा आयतन का अनुमान लगाकर उनको मीटर, किलोग्राम तथा लीटर में मापकर जाँच करेंगे।
- दिये गये क्षेत्र में भरे जाने वाले आकारों का अनुमान लगाकर उसकी जाँच करेंगे।
- घड़ी की सहायता से समय का सही पठन करेंगे।
- साधारण आकार तथा संख्याओं के आकृति को बढ़ाते हैं।
- दत्तों को चित्रों की सहायता से प्रदर्शित करते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

गणित (MATHEMATICS)

कक्षा - तीन (Class-III)



SAVE
EACH DROP OF WATER

LET GROW
EVERY LITTLE PLANT

THEY WILL TAKE
GUARANTEE OUR FUTURE

M. Gandhi

(Mahathma Gandhi)



IN ANY EMERGENCY

 **DIAL**

100

TELANGANA POLICE



www.tspolice.gov.in



@ Telangana State Police

गणित

तीसरी कक्षा

Mathematics- Class - III (Hindi Medium)

पाठ्य पुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

प्रधान कार्यकारी अधिकारी : श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निर्देशक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

कार्यकारी प्रधान आयोजक : श्री बी. सुधाकर
निर्देशक, सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस

आयोजन प्रभारी : डॉ. एन. उपेंद्र रेड्डी
प्रोफेसर, पाठ्यक्रम व पाठ्यपुस्तक विभाग,
एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

सहायक आयोजन प्रभारी : श्री के. यादगिरी
प्राध्यापक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद



तेलंगाणा सरकार का प्रकाशन, हैदराबाद

कानून का आदर करो।
अधिकार प्राप्त करो।

विद्या से आगे बढ़ो।
विनय से रहो।



© Government of Telangana, Hyderabad.

First Published 2012

New Impressions 2013, 2014, 2015, 2017, 2018, 2019, 2020

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

तेलंगाणा सरकार द्वारा निःशुल्क वितरण 2020-21

Printed in India
at the Telangana Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana.

— o —

पाठ्य पुस्तक विकास समिति के सदस्य

लेखकगण

श्री रामांजनेयुलु, प्राध्यापक, डाइट, विकाराबाद, रंगारेड्डी जिला
श्री टी. साई रामकृष्णा, प्र. अ., बी. एफ. एम. एच. एस. सामर्लाकोटा, पूर्वी गोदावरी जिला
श्री एस. धरमंदर सिंह, एस. ए., प्रा. उ. पा. पोन्ना, इच्चोडा मंडल आदिलाबाद जिला
श्री के. लक्ष्मा रेड्डी, एस. ए., जि. प. उ. पा. चिंताकुंटा, करीमनगर जिला
श्री बी. हनुमंतराव, एस. ए., जि. प. उ. पा. कावुगल्लु, नलगोंडा जिला
श्री एस. राजशेखर रेड्डी, एस. ए., जि. प. उ. पा. मददीरेड्डीपल्ली, अनंतपुर जिला
श्री सी. एच. केशव रेड्डी, एस. जी. टी., प्रा. पा. मोट्टलापल्ली, श्रीरामपुर मंडल, करीमनगर जिला
श्री टी. महेश, एस. जी. टी., प्रा. उ. पा. बोप्पापुर, वर्नी मंडल, निजामाबाद जिला
श्री वी. मधु, एस. जी. टी., प्रा. पा. तोंडमनाडु, श्रीकालहस्ती मंडल, चित्तूर जिला

लेखक तथा समन्वयक

श्री के. राजेंदर रेड्डी, समन्वयक, गणित पाठ्य पुस्तक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

संपादक

श्री के. ब्रह्मय्या, प्रोफेसर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद
श्री बी. हरि सर्वोत्तम राव, अवकाशप्राप्त प्राध्यापक, रा. शै. अ. एवं प्र. परिषद
श्री बी. सत्यनारायण, अवकाशप्राप्त प्राध्यापक, डाइट विकाराबाद, रंगारेड्डी जिला

अध्यक्ष, गणित आधार पत्र, गणित पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक विकास समिति

प्रोफेसर वी. कन्नन, गणित-सांख्यिकी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय

मुख्य सलाहकार

डॉ. हेच. के. दीवान, शिक्षा सलाहकार, विद्या भवन सोसायटी संदर्भ केंद्र, उदयपुर, राजस्थान

शिक्षा विषयक सहायकगण

श्रीमती धर्मप्रियशिराली, कम्युनिटी मैथेमेटिक्स सेंटर, ऋषिवैली स्कूल, मदनपल्ली, चित्तूर जिला
श्री. शोभा शंकर, विद्या भवन सोसायटी संदर्भ केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
कुमारी शालिनी देवी, विद्या भवन सोसायटी संदर्भ केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
श्री शरन गोपाल, गणित-सांख्यिकी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय

हिंदी अनुवाद समन्वयक

डॉ. पी. शारदा, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद
श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त', राज्य संसाधक, हैदराबाद (सहायक समन्वयक)

हिंदी अनुवादक

श्री अजय सिंह, ज्ञान प्रकाश बालिका विद्यालय, गोशामहल, हैदराबाद
श्री रफीक, निशुल्क प्रभात उच्च पाठशाला, हैदराबाद
श्रीमती संगीता शर्मा, बंसीलाल बालिका विद्यालय, हैदराबाद
श्रीमती अफरोज जबीन, प्रधानाध्यापिका, प्राथमिक स्तर, नवजीवन बालिका, विद्यालय, रामकोटी, हैदराबाद ।

चित्रकार

श्री प्रशांत सोनी, विद्या भवन सोसायटी संदर्भ केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
श्री भवानी शंकर, विद्या भवन सोसायटी संदर्भ केंद्र, उदयपुर, राजस्थान

आमुख

गणित अधिगम एक मनोरंजक कार्य है। बालक अपने अनुभवों, अनुभूतियों को प्रतिबिंबित करने वाले व्यक्तिगत, सामूहिक कार्यों में उत्साह के साथ भाग लेते हैं। किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। सीखने में अपना कौशल व्यक्त करते हैं। इस तरह अपने ढंग से सीखे हुए कुछ मौलिक गणित की दक्षताओं का ज्ञान वे घर के पास ही प्राप्त कर लेते हैं। इन दक्षताओं का प्राथमिक स्तर पर विकास करने पर बालक गणित आनंद के साथ सीखते हैं। इसी के आधार पर गणित की पाठ्य पुस्तक का विकास किया गया है। बालकों के सीखने की शैली के साथ-साथ निचली कक्षाओं में सीखे गये गणित ज्ञान की पुनरावृत्ति करते हुए गणित की नयी धारणाओं को सिखाने के लिए दैनिक जीवन के अनेक अर्थपूर्ण उदाहरणों का समावेश किया गया है। इसमें दिये गये कृत्य, अभ्यास बालकों में गणित की धारणाओं को समझने के साथ-साथ दैनिक जीवन के साथ समन्वय करने के लिए भी उपयोगी हैं।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009, राज्य पाठ्यक्रम परिधि पत्र-2011 की सूचनाओं के अनुरूप तैयार किया गया गणित विधान पत्र द्वारा सूचित पाठ्यक्रम, शैक्षिक मापदंडों को ध्यान में रखकर इस पाठ्य पुस्तक का निर्माण किया गया है। विधान पत्र की सूचनाओं के कारण ही पाठ्यक्रम, शिक्षणाभ्यसन प्रक्रिया में बदलाव आये हैं। इन बदलावों की अनिवार्यता के कारण ही तीसरी कक्षा की नवीन पाठ्य पुस्तक का विकास करना पड़ा है। पाठ्य पुस्तक में दिये गये संदर्भ, अभ्यास, कृत्य बालकों में समस्या समाधान, तार्किक सोच, गणित की भाषा में अभिव्यक्ति करना, अन्य संदर्भों में उपयोग करना, आंकड़ों का अनेक तरीकों से प्रदर्शन करना जैसे दक्षताओं की वृद्धि करने की आवश्यकता पर बल देते हैं। अतः निर्देशित शैक्षिक मापदंडों की प्राप्ति हेतु शिक्षणाभ्यसन प्रक्रियाओं में बालकों का भाग लेना, विभिन्न कोणों में आलोचनात्मक व सृजनात्मक ढंग से सोचना आवश्यक है।

इस पुस्तक में सभी अध्यायों का व्यवस्थापन इस ढंग से किया गया है जिससे न केवल बालक की समझ बढ़ती है बल्कि अभ्यास करने में भी सहायता मिलती है। ऐसा करने से बालकों में गणित के प्रति रुचि का विकास होता है। यह पुस्तक अध्यापकों को अध्यापन के साथ-साथ बालकों को गणित सिखाने; सतत समग्र मूल्यांकन करने में एक अच्छे साधन के रूप में उपयोगी है।

पाठ्य पुस्तक निर्माण में सहयोग देने वाले राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय आचार्य, शोधकर्ता, मुक्त संस्थाएँ (एन. जी. ओ.), शिक्षाविद्, लेखकगण, चित्रकार, प्रकाशन विभाग तथा सभी प्रशंसा के पात्र हैं। मैं आशा करती हूँ कि सभी अध्यापक बालकों के शैक्षिक मापदंड के विकास और सीखने की संप्राप्तियों की प्राप्ति हेतु इस पाठ्यपुस्तक का अर्थपूर्ण ढंग से कक्षा में क्रियान्वयन करेंगे।

निर्देशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा, हैदराबाद

गणित

तीसरी कक्षा

क्र. सं.	पाठ का नाम	पूर्ण करने की अवधि	पृष्ठ सं.
1	आकार-आकृतियाँ	जून	1-11
2	संख्याएँ	जुलाई	12-31
3	जोड़ना (संकलन)	अगस्त	32-42
4	घटाना (व्यकलन)	अगस्त	43-50
5	जोड़ने और घटाने का उपयोग	सितंबर	51-57
6	गुणनफल	सितंबर/अक्टूबर	58-75
7	भागफल	अक्टूबर/नवंबर	76-87
8	मापन	नवंबर/दिसंबर	88-97
9	समय	दिसंबर/जनवरी	98-107
10	दैनिक जीवन में गणित	जनवरी/फरवरी	108-114
11	दत्तांशों की व्यवस्था	फरवरी	115-120
12	आकार (नमूना)	फरवरी	121-128
	पुनरावृत्ति	मार्च	

राष्ट्रगान

- रवींद्रनाथ टैगोर

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!

भारत भाग्य विधाता!

पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,

द्राविड़, उत्कल बंग!

विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा!

उच्छल जलधि-तरंग!

तव शुभ नामे जागे!

तव शुभ आशिष माँगे,

गाहे तव जय गाथा!

जन-गण-मंगलदायक जय हे!

भारत भाग्य विधाता!

जय हे! जय हे! जय हे!

जय, जय, जय, जय हे!!

प्रतिज्ञा

- पैडिमरि वेंकट सुब्बाराव

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।